राष्ट्रीय पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

सूक्ष्म वित्त योजना - करीमनगर, तेलंगाना

सफलता की कहानी

लाभार्थी का नाम और स्व-सहायता समूह	**श्रीमती थुम्मा स्वाथी "श्रीलथा स्व-सहायता समूह"**
जिला एवं राज्य	**करीमनगर, तेलंगाना**
योजना का नाम	**सूक्ष्म वित्त योजना**
ऋण स्वीकृति का वर्ष	**2021**
ऋण राशि	**रू. 3,09,450/-**
गतिविधि /व्यवसाय	**कढ़ाई केंद्र**
राज्य चैनेलाईजिंग एजेंसी का नाम	**स्त्री निधि क्रेडिट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि.**

श्रीमती थुम्मा स्वाथी, भारत माता गाँव में बने एक स्व-सहायता समूह ''श्रीलथा'' की सदस्या थीं। उनके पति श्री महेश एक कपड़े के विक्रेता थे। वे पहले अपने गाँव की एक वीवर सोसाइटी में मज़दूरी का कार्य करती थीं। बहुत अधिक परिश्रम के उपरांत समूह मिलकर ज्यादा से ज्यादा रू. 15,000/- मासिक तक की ही आय अर्जित कर पाते थे। बच्चों की पढ़ाई, बिजली का बिल एवं पैसों की उधारी का ब्याज देने में की सारे पैसे खर्च हो जाते थे जिससे उनका पारिवारिक जीवन-यापन अत्यंत कठिन था।

श्रीमती थुम्मा कम्प्यूटर के माध्यम से कढ़ाई कार्य एवं हाथ से कढाई के डिजाइनर काम अच्छी तरह से जानती थी और उनके पति को भी इन विधाओं में अच्छा ज्ञान था। अपनी आय को बढ़ाने के लिए वे चाहती थीं कि अपना स्वयं का कार्य आरंभ किया जाए। उन्होंने अपने स्व-सहायता समूह के लीडर से इस संबंध में बात की। उसके बाद तेलंगाना राज्य में NBCFDC की राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी ''स्त्री निधि क्रेडिट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि. के अधिकारियों से योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई और उन्होंने माइक्रो फाइनेन्स योजना के अंतर्गत संचालित 'शौभाग्य ऋण योजना' में समूह में ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया।

श्रीमती थुम्मा बताती हैं कि इसके उपरांत ''कम्प्यूटर इम्ब्राडरी एण्ड हैण्ड वीव्ड डिजाइनर सेंटर'' परियोजना के लिए रू. 5.40 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया और रू. 3.09 लाख का वितरण मार्च, 2021 में किया गया। श्रीमती थुम्मा आगे बताती हैं कि मेरे समूह को बिना किसी कठिनाई के बड़ी ही आराम से कम ब्याज दर पर ऋण प्राप्त हुआ। चूँकि मुझे और समूह के लोगों को पहले से इस कार्य की कठिनाई थी अतः कार्य को करने और आगे बढ़ाने में कोई कठिनाई नहीं हो रही है। हम सब मिलकर कार्य करते हैं और अब ऋण लेने के बाद हमारी मासिक आय रू. 60,000/- तक पहुंच चुकी है। हमने अपने सेंटर पर चार लोगों को रोजगार भी दिया है जिन्हें रू. 15,000/- प्रतिमाह की दर से मेहनताना का भुगतान करते हैं।

श्रीमती थुम्मा अब बहुत खुश हैं। इस ऋण से उन्हें दिन-ब-दिन पैसे उधार मांगने और भारी-भरकम ब्याज अदा करने से मुक्ति मिल गई है। बच्चों की पढ़ाई आसानी से हो पा रही है। बच्चे स्कूल बस से आते-जाते हैं। घर-परिवार का खर्च आसानी से चल रहा है। भविष्य के लिए कुछ पैसे सेविंग कर पाना भी संभव हो सका है। अब उनके परिवार में खुशहाली है।